प्रश्नकोश

1. **1857 के विद्रोह के ठीक बाद बंगाल में निम्नलिखित में से कौन-सा विप्लव हुआ?**

(a) संन्यासी विद्रोह (b) संथाल विद्रोह
(c) नील उपद्रव (d) पाबना उपद्रव

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर—(c)

1857 के विद्रोह के ठीक बाद बंगाल में नील विद्रोह (1859-60 ई.) हुआ। संन्यासी विद्रोह 1763-1800 ई. में; संथाल विद्रोह 1855-56 ई. में तथा पाबना उपद्रव 1873-76 ई. में हुआ। नील विद्रोह की शुरुआत बंगाल के नदिया जिले के गोविंदपुर गांव से हुई। एक नील उत्पादक के दो भूतपूर्व कर्मचारियों–दिगंबर विश्वास तथा विष्णु विश्वास के नेतृत्व में वहां के किसान एकजुट हुए तथा उन्होंने नील की खेती बंद कर दी। यह नील आंदोलन के इतिहास में अपनी मांगों को लेकर किए गए आंदोलनों में सर्वाधिक व्यापक और जुझारू विद्रोह था। बंगाल का नील विद्रोह शोषण के विरुद्ध किसानों की सीधी लड़ाई थी। बंगाल के वे काश्तकार जो अपने खेतों में चावल की खेती करना चाहते थे, उन्हें यूरोपीय नील बागान मालिक नील की खेती करने के लिए मजबूर करते थे। नील की खेती से इनकार करने वाले किसानों को नील बागान मालिकों के दमन-चक्र का सामना करना पड़ता था। सितंबर, 1859 में उत्पीड़ित किसानों ने अपने खेतों में नील न उगाने का निर्णय लेकर बागान मालिकों के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। 1860 ई. तक नील आंदोलन नदिया, पाबना, खुलना, ढाका, मालदा, दीनाजपुर आदि क्षेत्रों में फैल गया। किसानों की एकजुटता के कारण बंगाल में 1860 ई. तक सभी नील कारखाने बंद हो गए। बंगाल के बुद्धिजीवी वर्ग ने अखबारों में अपने लेखों द्वारा तथा जन सभाओं के माध्यम से इस विद्रोह के प्रति अपने समर्थन को व्यक्त किया। इसमें 'हिंदू पैट्रियाट' के संपादक हरिश्चंद्र मुखर्जी की विशेष भूमिका रही। नील बागान मालिकों के अत्याचारों का खुला चित्रण दीनबंधु मित्र ने अपने नाटक 'नील दर्पण' में किया है।

2. **'नील विद्रोह' किसके बारे में था?**

(a) रैयत नील की खेती नहीं करना चाह रहे थे, पर जबरदस्ती करवाई जा रही थी।
(b) रैयत नील की खेती करना चाह रहे थे पर उन्हें जबरदस्ती रोका जा रहा था।
(c) रैयत नील की खेती नहीं करना चाह रहे थे, पर उनसे एक अमान्य मूल्य पर जबरदस्ती करवाई जा रही थी।
(d) नीले रंग के झंडे वाला एक विद्रोही आंदोलन।
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(c)

'नील विद्रोह' अंग्रेजों के शासनकाल में किसानों का पहला संगठित व जुझारू विद्रोह था। जिसकी शुरुआत सितंबर, 1859 में बंगाल के नदिया जिले में स्थित गोविंदपुर गांव से हुई थी। इस विद्रोह का कारण था कि रैयत नील की खेती नहीं करना चाहते थे, किंतु उनसे एक अमान्य मूल्य पर जबरदस्ती इसकी खेती करवाई जा रही थी। इसी संदर्भ में सरकार द्वारा मार्च, 1860 में नील आयोग का गठन किया गया।

3. **नील कृषकों की दुर्दशा पर लिखी गई पुस्तक 'नील दर्पण' के लेखक कौन थे?**

(a) बंकिम चंद्र चटर्जी (b) दीनबंधु मित्र
(c) शरत चंद्र चटर्जी (d) रबींद्रनाथ ठाकुर

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. **प्रसिद्ध नाटक 'नील दर्पण', जिसमें इंडिगो की खेती करने वाले किसानों के दमन का चित्रण किया गया, की रचना किसने की?**

(a) शरतचंद्र चटर्जी
(b) रबींद्रनाथ टैगोर
(c) बारींद्र घोष
(d) दीनबंधु मित्र
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) 2020

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. **'नील दर्पण' नाटक का लेखक कौन था?**

(a) तारानाथ बंधोपाध्याय (b) तारानाथ घोष
(c) दीनबंधु मित्र (d) बंकिम चंद्र चटर्जी

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. **निम्नलिखित में से किस कारण से भारत में बीसवीं शताब्दी के आरंभ में नील की खेती का ह्रास हुआ?**

(a) नील के उत्पादकों के अत्याचारी आचरण के प्रति काश्तकारों का विरोध
(b) नई खोजों के कारण विश्व बाजार में इसका अलाभकर होना
(c) नील की खेती का राष्ट्रीय नेताओं द्वारा विरोध किया जाना
(d) उत्पादकों के ऊपर सरकार का नियंत्रण

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

नील मुख्यतः उष्णकटिबंधीय फसल है। 19वीं शताब्दी के अंत तक अधिकांश यूरोपीय देश के उत्पादक कपड़े की रंगाई के लिए भारतीय नील का इस्तेमाल करते थे। ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप कपास के उत्पादन व नील की खेती को भारत में बढ़ावा दिया गया। 1788 ई. में ब्रिटेन द्वारा आयात किए गए नील में भारतीय नील का हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत था, जो 1810 ई. में बढ़कर 95 प्रतिशत के लगभग हो गया। 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में यूरोपीय देशों में कृत्रिम रंगों का निर्माण होने से भारतीय नील उद्योग को तीव्र धक्का लगा। जर्मनी में बनी डाई ने भारतीय नील को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से बाहर कर दिया।

7. 'वंदे मातरम्' गीत किसने लिखा है?

(a) रबींद्रनाथ टैगोर (b) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(c) सरोजिनी नायडू (d) बंकिमचंद्र चटर्जी

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2005
Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर—(d)

'वंदे मातरम्' गीत बंकिमचंद्र चटर्जी की प्रसिद्ध कृति 'आनंदमठ' से लिया गया है। इस उपन्यास का कथानक संन्यासी विद्रोह पर आधारित है। 1896 ई. में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इसे पहली बार गाया गया था।

8. बंकिम चंद्र चटर्जी के 'आनंद मठ' में किस विद्रोह का उल्लेख है?

(a) संन्यासी (b) कूका
(c) संथाल (d) नील
(c) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. आनंदमठ उपन्यास की कथावस्तु आधारित है—

(a) चुआर विद्रोह पर (b) संन्यासी विद्रोह पर
(c) पालीगर विद्रोह पर (d) तालुकदारों के विद्रोह पर

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. निम्नलिखित विद्रोहों में से किसको बंकिमचंद्र चटर्जी ने अपने उपन्यास आनंदमठ में उल्लेख करके प्रसिद्ध किया?

(a) भील विद्रोह
(b) रंगपुर तथा विद्रोह दिनापुर
(c) विष्णुपुर तथा वीरभूमि विद्रोह
(d) संन्यासी विद्रोह

I.A.S. (Pre) 2006

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. निम्नलिखित में से किसने अपनी कृतियों द्वारा 'संन्यासी विद्रोह' को ख्याति प्रदान की?

(a) दीनबंधु मित्र (b) बंकिमचंद्र चटर्जी
(c) शिशिर कुमार घोष (d) हरीश चंद्र

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. बंकिमचंद्र चटर्जी के प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' का कथानक आधारित है—

(a) चुआर विद्रोह पर
(b) रंगपुर तथा दिनाजपुर के विद्रोह पर
(c) विष्णुपुर तथा वीरभूमि में हुए विद्रोह पर
(d) संन्यासी विद्रोह पर

U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?

(विद्रोह)		(वर्ष)
(a) पाबना विद्रोह	-	1873
(b) दक्कन किसान विद्रोह	-	1875
(c) संन्यासी विद्रोह	-	1894
(d) कोल विद्रोह	-	1870

U.P. P.C.S. (Pre.) 2017

उत्तर—(*)

सही सुमेलन निम्नवत है-

(विद्रोह)		(वर्ष)
पाबना विद्रोह	-	1873-76 ई.
दक्कन किसान विद्रोह	-	1875 ई.
संन्यासी विद्रोह	-	1763-1800 ई.
कोल विद्रोह	-	1831-32 ई.

Scanned with OKEN Scanner

14. मुंगेर के बरहियाताल विरोध का उद्देश्य क्या था?

(a) बाकाश्त भूमि की वापसी की मांग

(b) मुस्लिम किसानों का शोषण बंद हो

(c) जमींदारी प्रथा की समाप्ति

(d) वर्ग युद्ध की शुरुआत करना

39[th] B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

मुंगेर के बरहियाताल विरोध का उद्देश्य बाकाश्त भूमि की वापसी की मांग थी।

15. **उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान होने वाले "वहाबी आंदोलन" का मुख्य केंद्र था–**

(a) लाहौर (b) पटना

(c) अमृतसर (d) पुणे

U.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर–(b)

अंग्रेजी प्रभुसत्ता को सबसे सुनियोजित तथा गंभीर चुनौती वहाबी आंदोलन से मिली, जो 19वीं शताब्दी के चौथे दशक से सातवें दशक तक चलता रहा। रायबरेली के सैयद अहमद बरेलवी भारत में इस आंदोलन के प्रवर्तक थे। वह अरब के अब्दुल वहाब से प्रभावित हुए, परंतु अधिक प्रभाव दिल्ली के एक संत शाह वलीउल्लाह का था। सैयद अहमद बरेलवी की महत्वाकांक्षा पंजाब में सिक्खों और बंगाल में अंग्रेजों को अपदस्थ करके भारत में मुस्लिम सत्ता को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित करना था। सैयद अहमद बरेलवी के प्रयत्नों से इस आंदोलन की विचारधारा शीघ्र ही काबुल, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत, बंगाल, बिहार, मध्य प्रांत आदि में फैल गई। कुछ समय के लिए इन्होंने 1830 ई. में पेशावर पर कब्जा कर लिया और अपने नाम के सिक्के ढलवाए, किंतु अगले ही वर्ष वह बालाकोट की लड़ाई में मारे गए। सैयद अहमद बरेलवी की मृत्यु के बाद पटना इस आंदोलन का केंद्र बना। इस अवधि में आंदोलन का नेतृत्व मौलवी कासिम, विलायत अली, इनायत अली, अहमदुल्ला आदि ने किया। पटना के अतिरिक्त हैदराबाद, मद्रास, बंगाल, संयुक्त प्रांत तथा बंबई में भी इस आंदोलन की शाखाएं स्थापित की गईं। 1857 के विद्रोह में वहाबियों ने अंग्रेज विरोधी भावनाओं के प्रसार में बहुत योगदान दिया था।

16. **कूका आंदोलन को किसने संगठित किया?**

(a) गुरु रामदास (b) गुरु नानक

(c) गुरु राम सिंह (d) गुरु गोविंद सिंह

45[th] B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

कूका आंदोलन वहाबी आंदोलन से बहुत कुछ मिलता-जुलता था। दोनों धार्मिक आंदोलन के रूप में आरंभ हुए, किंतु बाद में ये राजनीतिक आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गए, जिसका सामान्य उद्देश्य अंग्रेजों को देश से बाहर निकालना था। पश्चिमी पंजाब में कूका आंदोलन की शुरुआत 1840 के दशक में भगत जवाहरमल द्वारा की गई, जिन्हें मुख्यतः सियान साहब के नाम से पुकारा जाता था। इनका उद्देश्य सिख धर्म में प्रचलित बुराइयों और अंधविश्वासों को दूर कर इस धर्म को शुद्ध करना था। किंतु बाद में ये राजनीतिक आंदोलन में परिवर्तित हो गया, जिसका नेतृत्व राम सिंह ने किया। 1872 ई. में इस आंदोलन के नेता राम सिंह को रंगून निर्वासित कर दिया गया, जहां इनकी 1885 ई. में मृत्यु हो गई।

17. **कूका आंदोलन की नींव पड़ी थी -**

(a) बंगाल में (b) बिहार में

(c) पंजाब में (d) महाराष्ट्र में

R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. **पागलपंथी विद्रोह वस्तुतः एक विद्रोह था–**

(a) भीलों का (b) गारों का

(c) गोंडों का (d) कोलियों का

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

पागलपंथ एक अर्द्ध-धार्मिक संप्रदाय था। यह वस्तुतः गारो जनजाति से संबंधित विद्रोह था, जिसे उत्तरी बंगाल के करमशाह ने चलाया था। करमशाह के पुत्र तथा उत्तराधिकारी टीटू, धार्मिक तथा राजनैतिक उद्देश्यों से प्रेरित थे। उसने जमींदारों के द्वारा मुजारों (Tenants) पर किए गए अत्याचारों के विरुद्ध आंदोलन किया। 1825 ई. में टीटू ने शेरपुर पर अधिकार कर लिया तथा राजा बन बैठा। वह इतना शक्तिशाली हो गया कि स्वतंत्र सत्ता का प्रयोग करने लगा और प्रशासन को चलाने के लिए उसने एक न्यायाधीश, एक मजिस्ट्रेट और एक कलेक्टर नियुक्त किया।

19. **'पागल पंथ' की स्थापना किसने की थी?**

(a) बुल्ले शाह (b) करमशाह

(c) यदुवेंद्र सिंह (d) स्वामी सहजानंद

56[th] to 59[th] B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

20. **निम्नलिखित में से कौन फराजी विद्रोह का नेता था?**

(a) आगा मुहम्मद रजा (b) दादू मियां

(c) शमशेर गाजी (d) वजीर अली

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

फराजी लोग बंगाल के फरीदपुर के हाजी शरियातुल्लाह द्वारा चलाए गए संप्रदाय के अनुयायी थे। ये लोग अनेक धार्मिक, सामाजिक तथा राजनैतिक आमूल परिवर्तनों का प्रतिपादन करते थे। शरियातुल्लाह के पुत्र दादू मियां ने बंगाल से अंग्रेजों को निकालने की योजना बनाई। यह आंदोलन 1818 से 1862 ई. के दौरान चलता रहा, अंत में इस संप्रदाय के अनुयायी वहाबी दल में सम्मिलित हो गए।

21. **फराजी कौन थे?**

(a) हाजी शरियातुल्लाह के अनुयायी (b) दादू के अनुयायी

(c) आर्य समाज के अनुयायी (d) मुस्लिम लीग के अनुयायी

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. **वेलु थम्पी ने अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया था–**

(a) केरल में (b) महाराष्ट्र में

(c) मैसूर में (d) तेलंगाना में

U.P. P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(a)

1805 में वेलेजली ने ट्रावनकोर (केरल) के महाराजा को सहायक संधि करने पर विवश किया। महाराजा संधि की शर्तों से अप्रसन्न था और इसलिए उसने सहायक संधि संबंधी कर देने में आनाकानी की तथा यह धन बकाया होता चला गया। अंग्रेज रेजीडेंट का व्यवहार भी बहुत धृष्टतापूर्ण था, जिसके फलस्वरूप दीवान वेलु थम्पी ने विद्रोह कर दिया, जिसमें नायर बटालियन ने उसका समर्थन किया। अंग्रेजों को एक बहुत बड़ी सेना इस विद्रोह का दमन करने के लिए भेजनी पड़ी थी।

23. **निम्न कथनों को पढ़कर सही विकल्प चुनें -**

(i) गंजाम विद्रोह 1800 से 1805 ई. में हुआ

(ii) गंजाम विद्रोह का नेतृत्व धनंजय ने किया

(iii) गुमसुर का विद्रोह का नेतृत्व श्रीकर भांजा ने किया

(iv) धनंजय, श्रीकर भांजा के पिता थे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) (i), (ii) और (iii) (b) (i), (ii) और (iv)

(c) (i) और (ii) (d) केवल (i)

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर–(a)

गंजाम और गुमसुर में विद्रोह की लंबी परंपरा रही है। जिसमें गंजाम में 1800-1805 ई. का विद्रोह तथा गुमसुर विद्रोह 1808 से 1837 ई. प्रमुख विद्रोह था। गुमसुर में श्रीकर भांजा तथा बाद में उसके पुत्र धनंजय भांजा द्वितीय के नेतृत्व में विद्रोह हुआ था। अतः कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं।

24. **महाराष्ट्र में रामोसी कृषक जत्था किसने स्थापित किया था?**

(a) न्यायमूर्ति रानाडे

(b) गोपाल कृष्ण गोखले

(c) वासुदेव बलवंत फड़के

(d) ज्योतिबा फुले

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(c)

प्रारंभिक भारतीय क्रांतिकारियों में अग्रगण्य वासुदेव बलवंत फड़के (1845-83 ई.) ने बंबई प्रेसीडेंसी के रामोसी जनजाति के लोगों को संगठित करके उन्हें प्रशिक्षित लड़ाकू बल में परिवर्तित किया और रामोसी कृषक जत्था की स्थापना की थी। फड़के को गिरफ्तार करके काला पानी की सजा दी गई तथा 1883 ई. में आमरण अनशन से इनकी मृत्यु हो गई।

25. **रामोसी विद्रोह सही रूप में किस भौगोलिक इलाके में हुआ था?**

(a) पश्चिमी भारत (b) पूर्वी घाट

(c) पूर्वी भारत (d) पश्चिमी घाट

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

पश्चिमी घाट में रहने वाले 'रामोसी जाति' के लोगों ने 1822 ई. में अपने नेता सरदार चित्तर सिंह के नेतृत्व में रामोसी विद्रोह किया। रामोसियों ने सतारा के आस-पास के क्षेत्रों को लूटा और किलों पर भी आक्रमण कर दिया। 1825-26 ई. में भयंकर अकाल और अन्नाभाव के कारण इन्होंने उमाजी के नेतृत्व में पुनः विद्रोह किया।

26. **निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान गडकरी विद्रोह का केंद्र था?**

(a) बिहार शरीफ (b) कोल्हापुर

(c) सूरत (d) सिलहट

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

गडकरी लोग मराठों के किलों में काम करने वाले उनके वंशानुगत कर्मचारी थे। उन्होंने मनमाने ढंग से भू-राजस्व की वसूली, मराठा सेना से उन्हें सेवा मुक्त किए जाने और उनकी जमीनों को मामलतदारों की देख-रेख के अधीन कर दिए जाने के विरुद्ध 1844 ई. में कोल्हापुर में विद्रोह कर दिया। इस विद्रोह को दबाने के लिए सरकार को काफी संघर्ष करना पड़ा।

Scanned with OKEN Scanner

27. मानव बलि प्रथा का निषेध करने के कारण अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जनजाति का नाम–

(a) कूकी (b) खोंद
(c) उरांव (d) नाइकदा

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर–(b)

खोंद जनजाति के लोग तमिलनाडु से लेकर बंगाल और मध्य भारत तक फैले विस्तृत पहाड़ी क्षेत्रों में रहते थे और पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण वे वस्तुतः स्वतंत्र थे। इन्होंने 1817 से 1856 ई. तक अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह किया। इस आंदोलन का नेतृत्व युवा राजा के नाम पर चक्र बिसोई ने किया। इस विद्रोह के मुख्य कारण ब्रिटिश सरकार द्वारा मानव बलि (मरिहा) को प्रतिबंधित करने के प्रयास, अंग्रेजों द्वारा नए करों का आरोपण और अनेक क्षेत्रों में जमींदारों तथा साहूकारों के प्रवेश से संबंधित थे, जिनके कारण आदिवासियों को अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा। अंग्रेजों ने एक 'मरिहा एजेंसी' गठित की, जिसके विरुद्ध खोंदों ने विद्रोह किया, परंतु 1855 ई. में चक्र बिसोई लुप्त हो गया, जिसके बाद यह आंदोलन समाप्त हो गया।

28. कोल विद्रोह (1831-32 ई.) का नेतृत्व किसने किया?

(a) बुद्धू भगत (b) सुर्गा
(c) सिंगराय (d) जतरा भगत

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(a)

छोटानागपुर क्षेत्र में कोल विद्रोह का नेतृत्व 1831-32 ई. में बुद्धू या बुद्धो भगत ने किया था।

29. 1831 में बुद्धो भगत के नेतृत्व में कोल विद्रोह किस क्षेत्र में हुआ?

(a) कच्छ (b) सिंहभूम
(c) पश्चिमी घाट (d) सतारा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(b)

1831 ई. में बुद्धो भगत के नेतृत्व में कोल विद्रोह छोटा नागपुर क्षेत्र के सिंहभूम, पलामू, हजारीबाग तथा मानभूम क्षेत्रों में हुआ था। इस विद्रोह का स्वरूप आर्थिक व राजनैतिक था। इस विद्रोह के पनपने का सर्वप्रमुख कारण इन क्षेत्रों के जमींदारों द्वारा भूमिकर को अत्यधिक बढ़ाया जाना था। 1831 ई. में बुद्धो भगत की मृत्यु के उपरांत इस विद्रोह का संचालन गंगा नारायण के द्वारा किया गया। यह विद्रोह रुक-रुक कर 1848 ई. तक चलता रहा। अंततः ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा इस विद्रोह का दमन कर दिया गया।

30. बघेरा विद्रोह कहाँ हुआ?

(a) सूरत (b) पूना
(c) कालीकट (d) बड़ौदा

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

बघेरा विद्रोह 1818 ई. में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध किया गया। बघेरा विद्रोह 'बड़ौदा' में हुआ। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने अंग्रेजी सेना की सहायता से बघेरों से अधिक कर एकत्र करने का प्रयत्न किया, जिसके परिणामस्वरूप बघेरा सरदारों ने विद्रोह कर दिया। 1818-1819 ई. के मध्य अंग्रेजी प्रदेश पर भी आक्रमण किया। यह विद्रोह 1820 ई. के आस-पास समाप्त हो गया।

31. ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था के विरुद्ध 1857 से पूर्व में भारत के विभिन्न भागों में हुए निम्न विद्रोहों को सही घटना क्रम के अनुसार रखें–

(i) बंगाल का सिपाही विद्रोह (ii) कच्छ का विद्रोह
(iii) वेल्लोर का सिपाही विद्रोह (iv) संथाल विद्रोह
(v) कोल विद्रोह

कूट :

(a) (i), (iii), (ii), (v), (iv) (b) (ii), (iii), (i), (v), (iv)
(c) (iv), (i), (iii), (ii), (v) (d) (iii), (i), (ii), (iv), (v)

R.A. S./R.T.S. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

1857 के पूर्व के उपर्युक्त विद्रोहों का क्रम इस प्रकार है–
(i) बंगाल का सिपाही विद्रोह (1764 ई.), जिसमें हेक्टर मुनरो की एक बटालियन बक्सर की रणभूमि से मीरकासिम से जा मिली थी।
(ii) वेल्लोर का सिपाही विद्रोह (1806 ई.)
(iii) कच्छ का विद्रोह (1819-31 ई.)
(iv) कोल विद्रोह (1831-32 ई.)
(v) संथाल विद्रोह (1855-56 ई.)

32. वेल्लोर का विद्रोह किस गवर्नर जनरल के समय हुआ था?

(a) वेलेजली (b) लॉर्ड मिंटो
(c) लॉर्ड कार्नवालिस (d) सर जॉर्ज बार्लो
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre.) 2016

उत्तर–(d)

1806 ई. में सैनिकों ने अपने सामाजिक तथा धार्मिक रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप करने के कारण वेल्लोर में विद्रोह कर दिया तथा मैसूर के राजा का झंडा फहरा दिया। वेल्लोर का विद्रोह गवर्नर जनरल सर जॉर्ज बार्लो के समय हुआ था। गवर्नर जनरल सर जॉर्ज बार्लो का कार्यकाल 1805 से 1807 ई. तक था।

Scanned with OKEN Scanner

33. छोटानागपुर जनजाति विद्रोह कब हुआ था?

(a) 1807-1808 (b) 1820
(c) 1858-59 (d) 1889

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर—(*)

छोटानागपुर जनजाति विद्रोह के नाम से कोई विद्रोह नहीं हुआ है। फिर भी इस क्षेत्र में हुए विद्रोहों की एक लंबी श्रृंखला है, जिन्हें अलग-अलग नामों से जाना जाता है। चेरो विद्रोह (1800 ई.), कोल विद्रोह (1831-32 ई.), संथाल विद्रोह (1855-56 ई.) तथा मुंडा विद्रोह (1899-1900 ई.) हुए। यदि हो विद्रोह (1820-21 ई.) को लिया जाए, तो विकल्प (b) सही उत्तर हो सकता है।

34. किस स्थान पर आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया?

(a) बिहार (b) पंजाब
(c) सिंध (d) काठियावाड़
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

छोटानागपुर की 'हो' (1820-21 ई.) एवं 'मुंडा' जनजातियों ने पुनः 1831 ई. में ब्रिटिश सेनाओं को चुनौती दी थी। इस क्षेत्र में इस कारण 1837 ई. तक अशांति व्याप्त रही। छोटानागपुर का क्षेत्र वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड में शामिल है।

35. संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

(a) सिद्धू-कान्हू (b) भैरव-चांद
(c) (a) और (b) दोनों (d) दोनों में से कोई नहीं

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर—(c)

1855-56 ई. का संथाल विद्रोह एक प्रसिद्ध आदिवासी विद्रोह था, जिसमें मूलभूत आदिवासी आवेग और ब्रिटिश शासन के पूर्ण तिरस्कार जैसी भावनाएं देखने को मिलती हैं। इस विद्रोह के नेता सीदो, कान्हू, चांद एवं भैरव नामक 4 भाई थे।

36. ई. स. 1855 में संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?

(a) सीदो और कान्हू
(b) बुधु भगत और तेजा भगत
(c) मुलु मानेक और जोधा मानेक
(d) मदारी पासी और सहदेव
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre), 2021

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. निम्न में से 'संथाल विद्रोह' कब हुआ था?

(a) 1831 - 32 ई. (b) 1844 - 46 ई.
(c) 1851 - 52 ई. (d) 1855 - 56 ई.
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?

(a) जयपाल सिंह (b) मास्टर तारा सिंह
(c) शिबू सोरेन (d) सिद्धू एवं कान्हू

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. 'संथाल विद्रोह' के नेता कौन थे?

(a) जारा भगत एवं बलराम भगत
(b) सीदो एवं कान्हू
(c) गौरक्षिणी भगत एवं केशवचंद्र राय
(d) शम्भूनाथ पाल एवं कोरा मलाया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam), 2021

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?

विद्रोह	वर्ष
(a) संथाल	1855
(b) कोल	1831
(c) खासी	1829
(d) अहोम	1815

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर—(d)

अहोम विद्रोह का प्रारंभ गोमधर कुंवर के नेतृत्व में 1828 ई. में हुआ। जिसका कारण बर्मा युद्ध के बाद कंपनी द्वारा अहोम के अभिजात वर्ग को उनका क्षेत्र वापस नहीं करना था। अंततः विवश होकर कंपनी ने समझौता कर लिया व उत्तरी असम के प्रदेश महाराजा पुरंदर सिंह को दे दिए।

Scanned with OKEN Scanner

41. **1855 ई. में संथालों ने किस अंग्रेज कमांडर को हराया?**

(a) कैप्टन नेक फेविले

(b) लेफ्टिनेंट बास्टीन

(c) मेजर बरो

(d) कर्नल व्हाइट

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

1855 ई. में संथालों ने भागलपुर क्षेत्र के भगनीडीह ताल्लुके में विद्रोह कर दिया था। इन्होंने एक साथ पुलिस और दिकुओं पर आक्रमण किए थे, जिसका नेतृत्व सीदो, कान्हू, चांद और भैरव नामक चार भाइयों ने किया था। संथाल विद्रोह को दबाने के लिए मेजर बरो के नेतृत्व में एक सेना भेजी गई, जिसे संथालों ने हरा दिया था। अंततः भागलपुर के कमिश्नर ब्राउन और मेजर जनरल लायड ने क्रूरतापूर्वक संथाल विद्रोह का दमन किया था।

42. **1855 के 'संथाल हूल' के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–**

1. भागलपुर के पास मेजर बरो संथालों से लड़ाई में हार गए।

2. गोक्को, गोड्डा का एक महत्वपूर्ण नेता था।

3. इस संदर्भ में महाजन दीन दयाल राय भी एक महत्वपूर्ण नाम है।

4. एक समय था, जब मुजफ्फरपुर के निकट गंगा घाटी के क्षेत्र पर संथालों का पूर्ण वर्चस्व था।

कूट :

(a) केवल 1 (b) 1, 3, 4

(c) 1, 2, 3 (d) केवल 2 तथा 3

U.P. P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(c)

जुलाई, 1855 में संथालों ने विद्रोह का बिगुल बजाया। कलकत्ता के मेजर बरो और पूर्णिया से सेना की एक टुकड़ी संथालों का दमन करने के लिए भेजी गई, जो भागलपुर के निकट पीर पैंती के मैदान में संथालों से संघर्ष में पराजित हो गई। बाद में विद्रोह का दमन कैप्टन एलेक्जेंडर ने किया। गोड्डा वर्तमान में झारखंड राज्य के अंतर्गत संथाल परगना में आता है। गोक्को यहां का एक महत्वपूर्ण नेता था। महाजन दीन दयाल राय भी शोषणकर्ताओं में शामिल थे। गंगा घाटी क्षेत्र पर संथालों का वर्चस्व नहीं था। यह विद्रोह भागलपुर से बर्दवान (आधुनिक बर्धमान) तक फैल गया था।

43. **संथाल विद्रोह के शांत हो जाने के बाद, औपनिवेशिक शासन द्वारा कौन-सा/से उपाय किए गए?**

1. 'संथाल परगना' नामक राज्य क्षेत्रों का सृजन किया गया।

2. किसी संथाल का गैर-संथाल को भूमि अंतरण करना गैर-कानूनी हो गया।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

I.A.S. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

1855-56 ई. का संथाल विद्रोह बिहार एवं उड़ीसा का एक प्रसिद्ध आदिवासी आंदोलन था। यह विद्रोह 1856 ई. तक जारी रहा और अंग्रेज सरकार एक बड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद इस विद्रोह को दबाने में सफल रही। अंग्रेज सरकार ने अलग संथाल परगना की मांग को मानकर क्षेत्र में शांति स्थापित की। इसके बाद 1855 ई. में भागलपुर और वीरभूम का बंटवारा कर संथाल परगना जिला बनाया गया। साथ ही किसी संथाल आदिवासी का गैर-संथाल को भूमि अंतरण गैर-कानूनी हो गया। झारखंड में जमीन की खरीद-फरोख्त हेतु सीएनटी (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम), एसपीटीए (संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम) और शिड्युल रेग्युलेशन एक्ट प्रभावी है।

44. **संथाल परगना क्षेत्र को अति प्राचीन काल में क्या कहा जाता था?**

(a) नरीखंड (b) मान-वर्जिका:

(c) करतासिना (d) इनमें से कोई नहीं

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

संथाल परगना क्षेत्र को अति प्राचीन काल में नरीखंड कहा जाता था। भविष्य पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। इसके अतिरिक्त बौद्ध साहित्य में इसे कजंगला भी कहा गया है, वर्तमान में यह झारखंड का हिस्सा है।

45. **निम्नांकित में से कौन-सी घटना महाराष्ट्र में घटित हुई?**

(a) भील विद्रोह (b) कोल विद्रोह

(c) रम्पा विद्रोह (d) संथाल विद्रोह

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(a)

भील विद्रोह भीलों की आदिम जाति पश्चिमी तट के खानदेश में रहती थी। 1818-31 ई. तक इन लोगों ने अपने नए स्वामी अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। कंपनी के अधिकारियों का कथन था कि इस विद्रोह को पेशवा बाजीराव द्वितीय तथा उसके प्रतिनिधि त्रयम्बकजी दांगलिया ने प्रोत्साहित किया था। वास्तव में कृषि संबंधी कष्ट तथा नई सरकार का भय ही इस विद्रोह का कारण था। 1825 ई. में सेवरम के नेतृत्वमें इन लोगों ने विद्रोह किया। ब्रिटिश सेना काफी प्रयास के बाद इस विद्रोह को कुचल सकी।

कोल विद्रोह–रांची, सिंहभूम, हजारीबाग, पालामऊ और मानभूम के पश्चिमी क्षेत्रों में फैला।

Scanned with OKEN Scanner

रम्पा विद्रोह—आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले के उत्तर में स्थित 'रम्पा' पहाड़ी क्षेत्र में हुआ। आदिवासियों का यह विद्रोह साहूकारों के शोषण और वन कानूनों के विरुद्ध हुआ।
संथाल विद्रोह—1855-56 ई. में हुआ। यह विद्रोह मुख्यतः भागलपुर से राजमहल के बीच के क्षेत्र में केंद्रित था।

46. मेवाड़, बांगड़ और पास के क्षेत्रों के भीलों में सामाजिक सुधार के लिए 'लसोड़िया आंदोलन' का सूत्रपात किसने किया?

(a) मावजी (b) गोविंद गिरि
(c) सुरमल दास (d) मोतीलाल तेजावत

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

19वीं सदी के उत्तरार्ध में सुर्जी भगत एवं गोविंद गिरि नामक समाज सुधारकों ने राजस्थान की मेवाड़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सिरोही, पाली इत्यादि रियासतों में बसी भील जनजाति में सामाजिक सुधारों के प्रयास किए। गोविंद गिरि ने भीलों को संगठित करने के उद्देश्य से 1883 ई. में 'सम्प सभा' की स्थापना की थी। गोविंद गिरि को लसोड़िया आंदोलन का प्रवर्तक माना जाता है।

47. उलगुलान विद्रोह किससे जुड़ा था?

(a) संथाल (b) कच्छा नागा
(c) कोल (d) बिरसा मुंडा

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर—(d)

मुंडा विद्रोह के नेता बिरसा मुंडा को धरती आबा (जगत पिता) और इनके विद्रोह को 'उलगुलान' (महाविद्रोह या महान हलचल) के नाम से जाना गया। यह विद्रोह इस अवधि का सर्वाधिक प्रसिद्ध आदिवासी विद्रोह था। मुंडों की पारंपरिक सामूहिक खेती वाली भूमि व्यवस्था खूंटकट्टी या मुंडारी के जमींदारी या व्यक्तिगत भू-स्वामित्व वाली भूमि व्यवस्था में परिवर्तन के विरुद्ध मुंडा विद्रोह की शुरुआत हुई। लेकिन कालांतर में बिरसा ने इसे धार्मिक, राजनीतिक आंदोलन का रूप प्रदान किया। मुंडा आदिवासियों का विद्रोह 1899-1900 ई. के बीच हुआ। 1895 ई. में बिरसा ने अपने आप को 'भगवान का दूत' घोषित किया और हजारों मुंडाओं का नेता बन गया। उसने कहा कि ''दिकुओं (गैर-आदिवासियों) से हमारी लड़ाई होगी और उनके खून से जमीन इस तरह लाल होगी जैसे लाल झंडा।'' 1899 ई. में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बिरसा ने मुंडा जाति का शासन स्थापित करने के लिए विद्रोह का एलान किया। लगभग 6000 मुंडा तीर-तलवार तथा कुल्हाड़ी लेकर बिरसा के साथ हो लिए। लेकिन बिरसा को 3 मार्च, 1900 को चक्रधरपुर के जामकोपई जंगल में गिरफ्तार कर लिया गया और 9 जून, 1900 को जेल में ही उनकी मृत्यु हो गई। विद्रोह कुचल दिया गया पर बिरसा अमर हो गए।

48. भारत के इतिहास के संदर्भ में, 'उलगुलान' अथवा महान उपद्रव निम्नलिखित में से किस घटना का विवरण था?

(a) 1857 के विद्रोह का
(b) 1921 के मोपला विद्रोह का
(c) 1859-60 के नील विद्रोह का
(d) 1899-1900 के बिरसा मुंडा विद्रोह का

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

49. जिस आदिवासी नेता को जगत पिता (धरती आबा) कहा जाता था, वह था—

(a) जिरिया भगत (b) कानु सान्याल
(c) रूप नायक (d) बिरसा मुंडा

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. मुंडा विद्रोह का नेता कौन था?

(a) बिरसा (b) कान्हू
(c) तिलक मांझी (d) सिद्धू

U.P. P.C.S. (Pre) 1998
47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. मुंडा विद्रोह का नेता कौन था?

(a) सिधू (b) बिरसा
(c) कान्हू (d) तिलक मांझी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) (Re-Exam) 2020

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. मुंडाओं ने विद्रोह खड़ा किया—

(a) 1885 में (b) 1888 में
(c) 1890 में (d) 1895 में

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर—(*)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

53. बिरसा को सोते हुए पकड़ा गया-
(a) 1 फरवरी, 1900 (b) 2 फरवरी, 1900
(c) 3 फरवरी, 1900 (d) 4 फरवरी, 1900
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.C.S. (Pre.) 2016

उत्तर—(e)

बिरसा मुंडा को 3 मार्च, 1900 को चक्रधरपुर (सिंहभूम) के जामकोपाई (Jamkopai) वन में सोते समय गिरफ्तार कर लिया गया था और 9 जून, 1900 को जेल में ही रहस्यमय तरीके से उनकी मृत्यु हो गई।

54. **बिरसा मुंडा किसके पक्ष में थे?**
(a) झारखंड (b) उत्तरांचल
(c) छत्तीसगढ़ (d) इनमें से कोई नहीं

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर—(d)

1899-1900 ई. के बीच मुंडा आदिवासियों ने बिरसा मुंडा के नेतृत्व में विद्रोह किया। यह विद्रोह भूमि व्यवस्था में परिवर्तन एवं दिकुओं (आदिवासियों का शोषण करने वाले बाहरी लोग) के विरुद्ध था। बिरसा द्वारा मुंडा जाति का शासन स्थापित करने की बात कही गई, परंतु वे किसी राज्य विशेष की स्थापना के पक्षधर नहीं थे।

55. **बिरसा मुंडा का कार्य क्षेत्र कौन-सा था?**
(a) चंपारन (b) रांची
(c) बलिया (d) अलीपुर

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर—(b)

बिरसा मुंडा का कार्यक्षेत्र रांची से लेकर भागलपुर तक था। बिरसा मुंडा का मुख्य उद्देश्य जनजातियों में समाज सुधार करना एवं इन्हें ब्रिटिश सत्ता से दूर रखना था। बिरसा ने अनेक देवताओं (बोंगा) की पूजा को छोड़कर अपने अनुयायियों से एक ईश्वर (सिंग बोंगा) की पूजा करने का आह्वान किया। मुंडा विद्रोह को दबाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने सैनिक शक्ति का प्रयोग किया।

56. **जनजातीय लोगों के संबंध में 'आदिवासी' शब्द का प्रयोग किया था—**
(a) महात्मा गांधी ने (b) ठक्कर बापा ने
(c) ज्योतिबा फुले ने (d) बी.आर. अम्बेडकर ने

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर—(b)

ठक्कर बापा ने जनजातीय लोगों के संबंध में 'आदिवासी' शब्द का प्रयोग किया था। ये हरिजन सेवक संघ के महासचिव थे। वर्ष 1933-34 के दौरान इन्होंने गांधीजी के साथ हरिजनों की दशा देखने-जानने के लिए भारत का भ्रमण किया। ये सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी के निष्ठावान सदस्य भी थे।

57. **भारत में 19 वीं शताब्दी के जनजातीय विद्रोह के लिए निम्नलिखित में से कौन-से तत्व ने साझा कारण मुहैया किया?**
(a) भू-राजस्व की नई प्रणाली का लागू होना और जनजातीय उत्पादों पर कर का लगाए जाना
(b) जनजातीय क्षेत्रों में विदेशी धर्म प्रचारकों का प्रभाव
(c) जनजातीय क्षेत्रों में बिचौलियों के रूप में बड़ी संख्या में महाजनों, व्यापारियों और लगान के ठेकेदारों का बढ़ना
(d) जनजातीय समुदायों की प्राचीन भूमिसंबंधी व्यवस्था का संपूर्ण विदारण

I.A.S. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

विकल्प (a), (b) और (c) में दिए गए कारण जनजातीय विद्रोह के कारण थे, लेकिन मुख्य साझा कारण विकल्प (d) में दिया गया कारण था।

58. **हौज विद्रोह हुआ—**
(a) 1620-21 के दौरान
(b) 1720-21 के दौरान
(c) 1820-21 के दौरान
(d) 1920-21 के दौरान

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर—(c)

हौज (हो) विद्रोह 1820-21 ई. में हुआ था, जिसका केंद्र बिहार का संथाल परगना था।

59. **खैरवार आदिवासी आंदोलन कब हुआ?**
(a) 1874 (b) 1860
(c) 1865 (d) 1870

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर—(a)

खैरवार आदिवासी आंदोलन भागीरथ मांझी के नेतृत्व में 1874 ई. में हुआ था।

60. **संभलपुर के अनेक ब्रिटिश-विरोधी विद्रोहों का नेता निम्नलिखित में से कौन था?**
(a) उतिरत सिंह (b) सुरेंद्र साई
(c) कट्टबोम्मन (d) सैयद अहमद बरेलवी

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर—(b)

संभलपुर की गद्दी के दावेदार सुरेंद्र साई ने यहां ब्रिटिश विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया। 1862 ई. में उसने आत्मसमर्पण कर दिया था।

Scanned with OKEN Scanner

61. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए–

1. नील विद्रोह
2. संथाल विद्रोह
3. दक्कन दंगे
4. सिपाही विद्रोह

इन घटनाओं का सही कालानुक्रम है–

(a) 4, 2, 1, 3
(b) 4, 2, 3, 1
(c) 2, 4, 3, 1
(d) 2, 4, 1, 3

I.A.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

प्रश्नगत विद्रोहों का क्रम निम्नानुसार है–

संथाल विद्रोह	–	1855-56
सिपाही विद्रोह	–	1857
नील विद्रोह	–	1859-60
दक्कन दंगे	–	1875

62. 1875 के 'दक्कन के दंगों' का तात्कालिक कारण था–

(a) अकाल की छाया
(b) महाजनों के द्वारा ऊंची ब्याज दर
(c) ऊंची भू-राजस्व दर
(d) जबरदस्ती किए गए धार्मिक सुधार का विरोध
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(e)

1875 के 'दक्कन के दंगों' का तात्कालिक कारण अकाल की छाया एवं महाजनों के द्वारा ऊंची ब्याज दर थी।

63. 1857 के पश्चात निम्नलिखित लोकप्रिय आंदोलन हुए–

1. संथाल विद्रोह
2. नील क्रांति
3. दक्कन कृषकों के दंगे
4. बिरसा मुंडा उठाव

सही उत्तर चुनिए :

(a) 1, 2, 3
(b) 2, 3, 4
(c) 1, 2, 4
(d) 1, 3, 4
(e) 1, 2, 3, 4

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

दिए गए विकल्पों में संथाल विद्रोह 1855-56 ई. में, नील विद्रोह 1859-60 ई. में दक्कन कृषकों के दंगे 1875 ई. में तथा बिरसा मुंडा विद्रोह 1899-1900 ई. में हुआ था। अतः स्पष्ट है कि इसका अभीष्ट उत्तर विकल्प (b) होगा।

64. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
A. मोपला विद्रोह	1. केरल
B. पाबना विद्रोह	2. बिहार
C. एका आंदोलन	3. बंगाल
D. बिरसा मुंडा विद्रोह	4. अवध

कूट:

(a) A-1, B-3, C-4, D-2
(b) A-2, B-3, C-4, D-1
(c) A-1, B-2, C-3, D-4
(d) A-3, B-4, C-1, D-2

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

वर्ष 1921 में मोपला विद्रोह मालाबार (केरल) में, पाबना विद्रोह 1873-1876 ई. तक पाबना (बंगाल) में, एका आंदोलन अवध में 1921 ई. में तथा बिरसा मुंडा विद्रोह तत्कालीन बिहार में 1899-1900 ई. में हुआ था।

65. 1921 का मोपला विद्रोह कहां हुआ था?

(a) असम
(b) केरल
(c) पंजाब
(d) बंगाल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C (Pre.) 2017

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची-I (विद्रोह/आंदोलन)	सूची-II (वर्ष)
A. तेभागा आंदोलन	1. 1859-60
B. मोपला विद्रोह	2. 1879-80
C. पाबना किसान विद्रोह	3. 1921
D. बंगाल नील विद्रोह	4. 1946-47

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	2	3	1
(c)	2	3	4	1
(d)	4	3	2	1

U.P. R.O./ A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(*)

Scanned with OKEN Scanner

सही सुमेलन निम्नवत है–

सूची-I (विद्रोह/आंदोलन)	सूची-II (वर्ष)
तेभागा आंदोलन	1946-47
मोपला विद्रोह	1921
पाबना किसान विद्रोह	1873-76
बंगाल नील विद्रोह	1859-60

नोट - इस प्रश्न के सुमेलन में पाबना कृषक विद्रोह का वर्ष 1879-80 दिया है, जो त्रुटिपूर्ण है। शेष तीन के सुमेलन सही हैं। अतः इस प्रश्न का निकटतम उत्तर विकल्प (d) माना जा सकता है।

67. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए -

सूची-I (आंदोलन)	सूची-II (वर्ष)
A. पाबना	**1. 1855-56**
B. एका	**2. 1873-85**
C. संथाल	**3. 1922**
D. ताना भगत	**4. 1914**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	2	3	1	4
(c)	3	1	4	2
(d)	4	3	2	1

U.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

प्रश्नगत आंदोलनों तथा उनके कालक्रम का सही सुमेलन इस प्रकार है -

पाबना विद्रोह	–	1873-85
एका आंदोलन	–	1922
संथाल विद्रोह	–	1855-56
ताना भगत आंदोलन	–	1914

नोट- 1885 ई. में बंगाल काश्तकारी अधिनियम द्वारा कृषकों को भूमि पर अधिकार स्पष्ट किया गया था, जो पाबना आंदोलन की मुख्य मांग थी। इस आंदोलन की तीव्रता 1873-1876 ई. तक थी। उसके पश्चात यह केवल कानूनी विवाद था।

68. एका आंदोलन का प्रारंभ किया गया था–

(a) महाराष्ट्र के किसानों द्वारा
(b) बंगाल के किसानों द्वारा
(c) पंजाब के किसानों द्वारा
(d) उत्तर प्रदेश के हरदोई, बाराबंकी एवं अन्य स्थानों के किसानों द्वारा

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(d)

एका आंदोलन (1921-22 ई.) का प्रारंभ उत्तर प्रदेश के हरदोई, बहराइच, सीतापुर आदि जिलों में किसानों द्वारा प्रारंभ किया गया था। इस आंदोलन का मुख्य मुद्दा निर्धारित लगान से 50 प्रतिशत अधिक लगान वसूलना था। इस आंदोलन का नेतृत्व पिछड़ी जाति के मदारी पासी ने किया था।

69. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -

सूची-I	सूची-II
A. रम्पा विद्रोह	**1. 1859-60**
B. पाबना किसान विद्रोह	**2. 1879-80**
C. बंगाल नील विद्रोह	**3. 1860-63**
D. जयंतिया विद्रोह	**4. 1873-76**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	2	4	1	3
(c)	1	2	3	4
(d)	4	2	1	3

U.P. R.O./ A.R.O. (Re-Exam) (Pre) 2016

उत्तर–(b)

सुमेलित हैं-

सूची-I	सूची-II
बंगाल नील विद्रोह	1859-60
पाबना किसान विद्रोह	1873-76
रम्पा विद्रोह	1879-80
जयंतिया विद्रोह	1860-63

70. 1921 का मोपला विद्रोह कहां हुआ था?

(a) कश्मीर (b) बी.एन.डब्लू.एफ.पी.
(c) केरल (d) असम

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

मोपला विद्रोह केरल के मालाबार क्षेत्र में वर्ष 1921 में हुआ था। यहां पर काश्तकार अधिकतर बटाईदार मुसलमान थे तथा जमींदार अधिकतर हिंदू थे। आंदोलन जमींदारों के शोषण के खिलाफ था।

71. 1921 का 'मोपला विद्रोह' हुआ था–

(a) तेलंगाना में (b) विदर्भ में
(c) मालाबार में (d) मराठवाड़ा में

U.P.P.C.S (Mains) 2016
Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003
U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

दक्षिणी मालाबार (केरल) के मुसलमान पट्टेदारों (कनामदार) तथा खेतिहरों (वेरुमपट्टमदार) को मोपला कहते थे। यहां जमींदार, हिंदुओं की ऊंची जातियों नम्बूदरी तथा नायर जातियों से थे। वर्ष 1921 के मोपला विद्रोह के दो कारण थे। पहला जमींदारों का अत्याचार, दूसरा अंग्रेजी सरकार की खिलाफत विरोधी नीतियां।

72. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (घटनाएं)	**सूची-III (तिथियां)**
A. बैरकपुर विद्रोह	**1. जुलाई, 1806**
B. बरहामपुर विद्रोह	**2. नवंबर, 1824**
C. संथाल विद्रोह	**3. 1855-56**
D. बेल्लोर विद्रोह	**4. फरवरी, 1857**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	4	3	1
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	2	1
(d)	1	2	4	3

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर—(a)

बैरकपुर में विद्रोह नवंबर, 1824 में हुआ। बरहामपुर का विद्रोह फरवरी, 1857 में हुआ। संथालों का विद्रोह सीदो तथा कान्हू के नेतृत्व में 1855-56 ई. में हुआ। 1806 ई. में सैनिकों ने अपने सामाजिक तथा धार्मिक रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप करने के कारण बेल्लोर में विद्रोह कर मैसूर के राजा का झंडा फहरा दिया था।

73. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची - I (विद्रोह)	**सूची -II (वर्ष ई.)**
A. अहोम	**1. 1855-56**
B. कोल	**2. 1828**
C. संथाल	**3. 1921**
D. मोपला	**4. 1831-32**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	1	3	2	4
(c)	2	1	3	4
(d)	3	1	4	2

R.O./A.R. O. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

सूची - I का सूची - II से सही सुमेलन है-

सूची - I (विद्रोह)		**सूची - II (वर्ष ई.)**
अहोम	-	1828
कोल	-	1831-32
संथाल	-	1855-56
मोपला	-	1921

74. निम्नलिखित में कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) मोपला विद्रोह-केरल (b) कूका विद्रोह-पंजाब
(c) कोली विद्रोह-गुजरात (d) चुआर विद्रोह-मध्य प्रदेश

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(c&d)

मोपला विद्रोह वर्ष 1921 में केरल के मालाबार क्षेत्र में मोपलाओं द्वारा किया गया था। प्रारंभ में यह विद्रोह अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ था। महात्मा गांधी, शौकत अली, मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे नेताओं का सहयोग इस आंदोलन को प्राप्त था। 'कूका विद्रोह' का आरंभिक स्वरूप धार्मिक था, किंतु बाद में यह राजनीतिक विद्रोह के रूप में परिवर्तित हो गया। इस विद्रोह की शुरुआत पंजाब में 1840 के दशक में 'भगत जवाहर मल' द्वारा की गई थी। इन्हें 'सियान साहब' के नाम से भी जाना जाता था। राम सिंह के समय में यह आंदोलन जोर पकड़ा लेकिन अंग्रेजों ने 1872 ई. में इन्हें गिरफ्तार कर रंगून निर्वासित कर दिया। कोली विद्रोह 1784-1785 ई. के मध्य महाराष्ट्र में हुआ था। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चुआरों का विद्रोह 1768 ई. में किया गया। मिदनापुर (प. बंगाल) जिले की आदिम जाति के 'चुआर' लोगों ने 'भूमिकर' तथा 'अकाल' के कारण उत्पन्न आर्थिक संकट से प्रभावित होकर यह विद्रोह किया।

75. अंग्रेजों के विरुद्ध भीलों द्वारा क्रांति प्रारंभ की गई थी—

(a) मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र में
(b) मध्य प्रदेश एवं बिहार में
(c) बिहार एवं बंगाल में
(d) बंगाल एवं महाराष्ट्र में

M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर—(a)

भीलों की आदिम जाति पश्चिमी तट के खानदेश क्षेत्र में निवास करती थी। 1818-31 ई. के दौरान इन लोगों ने अपने नए स्वामी अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह कर दिया था। यह विद्रोह मुख्यतः महाराष्ट्र तथा कुछ मध्य प्रदेश के क्षेत्र में विस्तारित था। इनके अतिरिक्त 19वीं-20वीं शताब्दी में राजस्थान में भी भील विद्रोह हुए थे।

76. निम्नलिखित युग्मों में कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(a) मुंडा - बिरसा (b) संथाल - कान्हू
(c) अहोम - गोमधर कुंवर (d) नायक - ताना भगत

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

मुंडा विद्रोह का प्रारंभ 1899-1900 ई. में रांची के दक्षिणी क्षेत्रों में हुआ था। इस विद्रोह का नेता बिरसा मुंडा था। संथाल विद्रोह 1855-56 ई. में प्रारंभ हुआ था। इस विद्रोह के नेता सीदो और कान्हू थे। अहोम विद्रोह 1828 ई. में प्रारंभ हुआ था। इसके नेता गोमधर कुंवर थे। ताना भगत आंदोलन का प्रारंभ उरांव आदिवासियों के मध्य वर्ष 1914 में छोटानागपुर में हुआ था। इस आंदोलन के नेतृत्वकर्ता जतरा भगत, बलराम भगत तथा देवमेनिया भगत आदि थे।

77. ताना भगत आंदोलन जतरा उरांव ने किस वर्ष प्रारंभ किया था?

(a) 1919 (b) 1917

(c) 1914 (d) 1922

(e) उपर्युक्त में से काई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

78. 19वीं सदी के कृषक विद्रोहों को उनसे संबद्ध क्षेत्रों के साथ सुमेलित कीजिए–

A. कूकी विद्रोह **1. पंजाब**

B. कूका विद्रोह **2. बंगाल**

C. पाबना कृषक विद्रोह **3. बिहार**

D. बिरसा मुंडा विद्रोह **4. त्रिपुरा**

अपना उत्तर दिए गए कूट की सहायता से चुनिए-

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	2	3	1	4
(c)	4	1	3	2
(d)	4	1	2	3

U.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(d)

कूकी विद्रोह (1917-19 ई.) मणिपुर एवं त्रिपुरा में; कूका विद्रोह (1840-72 ई.) पंजाब में; पाबना विद्रोह (1873-76 ई.) बंगाल में; तथा बिरसा मुंडा विद्रोह (1899-1900 ई.) बिहार (वर्तमान झारखंड) में हुआ था।

79. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?

(विद्रोह)	**(वर्ष)**
(a) नील विद्रोह	1859-60
(b) जयंतिया विद्रोह	1860-63
(c) कूकी विद्रोह	1860-90
(d) कूका विद्रोह	1832-34

U.P. B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(*)

कूका आंदोलन की शुरुआत 1840 के दशक भगत जवाहर मल द्वारा की गई। इसका उद्देश्य सिख धर्म में प्रचलित बुराइयों और अंधविश्वासों को दूर करके धर्म को शुद्ध करना था, जबकि कूकी विद्रोह की शुरुआत वर्ष 1917 में हुई। यह विद्रोह अंग्रेजों के खिलाफ श्रमिक वाहिनी योजना के तहत श्रमिक भर्ती अभियान के विरुद्ध था। यह आंदोलन मार्च, 1919 तक चला।

80. भूमिज विद्रोह का नेता कौन था?

(a) भागीरथ (b) दुबिया गोसाई

(c) जतरा भगत (d) गंगा नारायण

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

मानभूम क्षेत्र में 1832-33 ई. में गंगा नारायण के नेतृत्व में भूमिज विद्रोह हुआ था।

81. 'तेभागा आंदोलन' 1946 ई. में बंगाल में आरंभ हुआ–

(a) मुस्लिम लीग के नेतृत्व में

(b) किसान सभा के नेतृत्व में

(c) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में

(d) श्रमिक संघ के नेतृत्व में

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) (Re-Exam) 2020

उत्तर–(b)

तेभागा आंदोलन (1946-47 ई.) बंगाल का प्रसिद्ध किसान आंदोलन था, जिसके तहत किसानों ने 'फ्लाइड कमीशन' की सिफारिश के अनुरूप लगान की दर को 1/3 करने हेतु संघर्ष प्रारंभ किया था। किसान सभा के नेतृत्व में लड़ा गया यह आंदोलन जोतदारों के विरुद्ध बंटाईदारों का आंदोलन था। इस आंदोलन के महत्वपूर्ण कृषक नेता 'कम्पाराम सिंह' एवं 'भुवन सिंह' थे।

82. महात्मा गांधी एवं उनके विचारों से प्रभावित होने वाले प्रथम आदिवासी नेता थे–

(a) अलूरी सीताराम राजू (b) जोड़ानांग

(c) झाबकर बापा (d) रानी गौडिनलियु

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

महात्मा गांधी और उनकी विचारधारा से प्रभावित होने वाले पहले जनजातीय नेता जदोनांग (जोड़ानांग) थे। वे मणिपुर के नागा जनजाति के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने रानी गौडिनलियु सहित अपने विश्वासपात्र अनुयायियों की सहायता से सामाजिक तथा धार्मिक सुधार कार्य प्रारंभ किया एवं महात्मा गांधी की प्रेरणा से स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए।

Scanned with OKEN Scanner

83. इनमें से वह प्रथम नेता कौन था, जिसने भारत में मजदूर आंदोलन को संगठित किया?

(a) बी.पी. वालिया
(b) लाला लाजपत राय
(c) एन.एम. लोखंडे
(d) एन.जी. रंगा

M.P. P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

नारायण मेघाजी लोखंडे (1848-1897 ई.) भारत में श्रम आंदोलन के अग्रदूत माने जाते हैं। उन्होंने न केवल 19वीं शताब्दी में कपड़ा मिल में काम करने वाले कामगारों की परिस्थितियों में सुधार के लिए प्रयास किया, अपितु जाति और सांप्रदायिक मुद्दों पर साहसी पहल के लिए भी उन्हें याद किया जाता है। भारत सरकार ने वर्ष 2005 में उनकी तस्वीर के साथ एक डाक टिकट जारी किया था।

Scanned with OKEN Scanner